वीर नर्मद दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय, सुरत

द्वितीय वर्ष बी.ए.

हिंदी भाषा-कौशल

सेमेस्टर-3

(2018 - 2019, 2019 - 2020, एवम् 2020 – 2021 के शैक्षिक वर्षों के लिए)

प्रश्नपत्र – 3. हिंदी भाषा-कौशल (अनिवार्य) Foundation Course-03

(Total Marks – 50; Credits o3)

पाठ्य पुस्तक : 1. 'गंगा मैया' – भैरवप्रसाद गुप्त राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

2. व्याकरण।

अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र :

इकाई -1. भैरवप्रसाद गुप्त :व्यक्तित्व और कृतित्व, उपन्यास विधा का परिचय, 'गंगा मैया' उपन्यास की कथावस्तु ,'गंगा मैया' उपन्यास की भाषा-शैली, 'गंगा मैया' उपन्यास में संवाद-योजना।

इकाई - 2. 'गंगा मैया' उपन्यास के मुख्य पात्र एवं गौण पात्र , 'गंगा मैया' उपन्यास में देश काल और वातावरण,'गंगा मैया' उपन्यास शीर्षक की सार्थकता,'गंगा मैया' उपन्यास का उद्देश्य।

इकाई - 3. शब्द-भेद : सामान्य परिचय, संज्ञा, सर्वनाम, लिंग, वचन का सामान्य परिचय।

इकाई - 4. अँग्रेजी अथवा गुजराती से हिंदी में अनुवाद।

अंक-विभाजन –

प्रश्न 1. पठित उपन्यास से पाँच संक्षिप्त प्रश्न (05 x 2 = 10 अंक)

प्रश्न 2 और 3. इकाई 1 और 2 से एक – एक आलोचनात्मक प्रश्न (13 x 2 = 26 अंक)

प्रश्न 4. इकाई 3 से एक टिप्पणी का प्रश्न और

इकाई 4 से अँग्रेजी अथवा गुजराती से हिंदी में अनुवाद का अनुच्छेद (07 x 2 = 14 अंक)

संदर्भ-पुस्तकें :

1. हिंदी व्याकरण - डॉ.उमेशचंद्र शुक्ल
2. अच्छी हिंदी - रामचंद्र वर्मा
3. अनुवाद-विज्ञान - डॉ.भोलानाथ तिवारी
4. आधुनिक हिंदी व्याकरण और रचना - डॉ.वासुदेवनंदन प्रसाद
5. हिंदी उपन्यास का इतिहास - डॉ.गोपाल राय
6. हिंदी उपन्यास के सौ वर्ष - डॉ.रामदरश मिश्र, (गिरनार प्रकाशन. मेहसाणा)
7. प्रयोग और प्रयोग - वी.रा.जगन्नाथन
8. आधुनिक हिंदी उपन्यास - संपा.भीष्म साहनी, रामजी मिश्र, भगवतीप्रसाद निदारिया (राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली)

==========

वीर नर्मद दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय, सुरत

द्वितीय वर्ष बी.ए.

हिंदी

सेमेस्टर-3

(2018 - 2019, 2019 - 2020, एवम् 2020 – 2021 के शैक्षिक वर्षों के लिए)

प्रश्नपत्र – 5. A. छायावादी कविता (मुख्य और गौण)

(Core Co. 05 - Elective Co. - 05) (Total Marks – 50; Credits 03)

पाठ्य पुस्तक : रागविराग 'निराला' – संपादक : रामविलास शर्मा (लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)

अध्ययन के निर्धारित क्षेत्र : (चुनी हुई कविताओं की समीक्षा एवं अध्ययन) ।

इकाई – 1.

सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' का व्यक्तित्व और कृतित्व : सामान्य परिचय,

बादल राग -1, जुही की कली, तोड़ती पत्थर , जागो फिर एक बार – १

इकाई – 2.

स्नेह निर्झर बह गया है, वर दे वीणा वादिनी वर दे, सखि वसंत आया,

बीन की झंकार कैसी बस गयी, खुला आसमान |

इकाई – 3.

बादल छाये, मुसीबत में कटे हैं दिन, रंग गयी पग-पग धन्य धरा, मरण को जिसने वरा है |

इकाई – 4.

जल्द-जल्द, पैर बढाओ, कुंज-कुंज कोयल बोली, कठिन यह संसार, गीत गाने दो मुझे तो |

अंक-विभाजन –

प्रश्न 1. पठित कविताओं से पाँच संक्षिप्त (05 x 2 =10 अंक)

प्रश्न 2 और 3. इकाई 1 और 2 से एक – एक आलोचनात्मक प्रश्न (13 x 2 = 26 अंक)

प्रश्न 4. इकाई 3 और 4 से एक – एक टिप्पणी का प्रश्न (अ) और (ब) (07 x 2 = 14 अंक)

सन्दर्भ पुस्तकें :

1. छायावाद – डॉ. नामवर सिंह (राजकमल प्रकाशन प्रा. लि. नई दिल्ली)
2. निराला-संपा. डॉ.विश्वनाथ तिवारी (लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)
3. निराला-डॉ.रामविलास शर्मा (राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली)
4. हिंदी साहित्य की प्रवृत्तियाँ – डॉ.जयकिशन प्रसाद खण्डेलवाल
5. हिंदी साहित्य का इतिहास – रामचंद्र शुक्ल
6. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास – डॉ. बच्चन सिंह
7. हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास 1-2 – डॉ. गणपति चन्द्र सिंह

अथवा

प्रश्नपत्र – 5. B. छायावादोत्तर काव्य (मुख्य और गौण)

(Core Course. 05 - Elective Course. - 05) (Total Marks – 50; Credits o3)

पाठ्यपुस्तक :– छायावाद काव्यार्णव - संपा. डॉ. बद्रीनाथ तिवारी (जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)

अध्ययन के निर्धारित क्षेत्र :

इकाई – 1. हरिवंशराय 'बच्चन' की निम्नलिखित कविताओं का अध्ययन-
तुम गा दो मेरा गान, पथ की पहचान, स्वप्न में तुम हो, तुम्ही हो जागरण में,
मधुशाला की रुबाईयाँ – 1, 3, 4, 6, 8 |

इकाई – 2. रामधारी सिंह 'दिनकर' की निम्नलिखित कविताओं का अध्ययन-
हिमालय , बन फूलों की और, गीत-अगीत, प्रभाती, |

इकाई – 3. माखनलाल चतुर्वेदी की निम्नलिखित कविताओं का अध्ययन-
जवानी, गीतों के राजा, प्राण का श्रृंगार |

इकाई – 4. नरेंद्र शर्मा की निम्नलिखित कविताओं का अध्ययन-
पाषाण नहीं था, प्यासा निर्झर, मोती मस्जिद से ताजमहल |

अंक-विभाजन –

प्रश्न 1. पठित कविताओं से पाँच संक्षिप्त प्रश्न (05 x 2 =10 अंक)

प्रश्न 2 और 3. इकाई 1 और 2 से एक – एक आलोचनात्मक प्रश्न (13 x 2 = 26 अंक)

प्रश्न 4. इकाई 3 और 4 से एक – एक टिप्पणी का प्रश्न (अ) और (ब) (07 x 2 = 14 अंक)

सन्दर्भ पुस्तकें :

1. नई कविता के प्रतिमान – लक्ष्मीकांत, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद
2. हिंदी साहित्य का इतिहास – रामचंद्र शुक्ल
3. हिंदी की प्रगतिवादी कविता – डॉ. मृत्युंजय उपाध्याय, अमर प्रकाशन , मथुरा
4. हिंदी साहित्य की प्रवृत्तियाँ – डॉ. जयकिशन प्रसाद खंडेलवाल
5. नई कविता – डॉ. देवराज , वाणी प्रकाशन

==========

प्रश्नपत्र – 6. A. हिंदी उपन्यास (मुख्य और गौण)

(Core Course. 06 - Elective Course. - 06) (Total Marks – 50; Credits 03)

पाठ्य पुस्तक : अनारो : मंजुल भगत (राजकमल प्रकाशन प्रा. लि. नई दिल्ली)

अध्ययन के निर्धारित क्षेत्र :

इकाई – 1. मंजुल भगत का साहित्यिक परिचय
'अनारो' में अभिव्यक्त समस्याएँ
'अनारो' उपन्यास के कथानक का मूल्यांकन।

इकाई – 2. 'अनारो' उपन्यास के मुख्य पात्रों का चरित्र –चित्रण।

इकाई – 3. 'अनारो' उपन्यास के गौण पात्र।
'अनारो' उपन्यास में संवाद, 'अनारो' उपन्यास में वातावरण-योजना।

इकाई – 4. 'अनारो' उपन्यास की भाषा-शैली, 'अनारो' उपन्यास का उद्देश्य,
'अनारो' : शीर्षक की सार्थकता।

अंक-विभाजन – प्रश्न 1. पठित उपन्यास से पाँच संक्षिप्त प्रश्न (05 x 2 = 10 अंक)

प्रश्न 2 और 3 . इकाई 1 और 2 से एक – एक आलोचनात्मक प्रश्न (13 x 2 = 26 अंक)

प्रश्न 4. इकाई 3 और 4 से एक – एक टिप्पणी का प्रश्न (अ) और (ब) (07 x 2 = 14 अंक)

सन्दर्भ पुस्तकें :

1. हिंदी उपन्यास का इतिहास – डॉ. गोपाल राय
2. हिंदी उपन्यास की प्रवृत्तियाँ – डॉ. शशिभूषण सिंहल (विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा)
3. उपन्यास-स्थिति और गति (प्रथम खण्ड) – चन्द्रकांत बांडिवडेकर
4. समकालीन हिंदी साहित्य-विविध विमर्श – संपा. श्रीराम शर्मा
5. बीसवीं शताब्दी का हिंदी साहित्य – विजयमोहन सिंह (राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली)
6. मिस फोकलोर – देवेन्द्र सत्यार्थी (पुस्तकायन, नई दिल्ली)
7. हिंदी उपन्यास एक अंतर्यात्रा – रामदरश मिश्र (राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली)
8. हिंदी उपन्यास – डॉ. सुषमा धवन (राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली)
9. मंजुल भगतः समग्र कथा-साहित्य-1-2 संपा.कमल किशोर गोयनका (किताबघर प्रकाशन,नई दिल्ली)
10. मंजुल भगत के कथा-साहित्य में नारी-डॉ.मैना जगताप

==========

अथवा

प्रश्नपत्र – 6. B . हिंदी उपन्यास (मुख्य और गौण)

(Core Course. 06 - Elective Course. - 06) (Total Marks – 50; Credits 03)

पाठ्यपुस्तक : दिव्या – यशपाल (लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)

अध्ययन के निर्धारित क्षेत्र :

इकाई – 1. यशपाल का साहित्यिक परिचय,
'दिव्या': ऐतिहासिक पृष्ठभूमि पर आधारित उपन्यास के रूप में।
'दिव्या' उपन्यास के कथानक का मूल्यांकन , 'दिव्या' उपन्यास में सामाजिकता ।

इकाई – 2. 'दिव्या' उपन्यास के मुख्य पात्रों का चरित्र - चित्रण।

इकाई – 3. 'दिव्या' उपन्यास के गौण पात्रों का चरित्र - चित्रण।
'दिव्या' उपन्यास के संवाद, 'दिव्या' उपन्यास में वातावरण-योजना।
'दिव्या' उपन्यास में कल्पना।

इकाई – 4. 'दिव्या' उपन्यास की भाषा-शैली, 'दिव्या' उपन्यास का उद्देश्य।
'दिव्या' उपन्यास में यथार्थ, 'दिव्या' : शीर्षक की सार्थकता ।

अंक-विभाजन – प्रश्न 1. पठित उपन्यास से पाँच संक्षिप्त प्रश्न (05 x 2 = 10 अंक)

प्रश्न 2 और 3 . इकाई 1 और 2 से एक – एक आलोचनात्मक प्रश्न (13 x 2 = 26 अंक)

प्रश्न 4. इकाई 3 और 4 से एक – एक टिप्पणी का प्रश्न (अ) और (ब) (07 x 2 = 14 अंक)

सन्दर्भ पुस्तकें :

1. हिंदी उपन्यास का इतिहास – डॉ. गोपाल राय
2. हिंदी के बहुचर्चित उपन्यास – भगवतीशरण मिश्र
3. उपन्यास-स्थिति और गति (प्रथम खण्ड) – चन्द्रकांत बांडिवडेकर

4. समकालीन हिंदी साहित्य-विविध विमर्श – संपा. श्रीराम शर्मा
5. बीसवीं शताब्दी का हिंदी साहित्य – विजयमोहन सिंह (राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली)
6. हिंदी उपन्यास की प्रवृत्तियाँ – डॉ. शशिभूषण सिंहल (विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा)
7. हिंदी उपन्यास एक अंतर्यात्रा – रामदरश मिश्र (राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली)
8. हिंदी उपन्यास – डॉ. सुषमा धवन (राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली)

==========

प्रश्नपत्र – 7. हिंदी साहित्य का इतिहास (मुख्य) Core Course-07

(Total Marks – 50; Credits 03)

अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र –

इकाई – 1. साहित्य के इतिहास का काल-विभाजन और नामकरण।
आदिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियाँ। आदिकालीन परिस्थितियाँ।

इकाई – 2. भक्तिकाल की मुख्य प्रवृत्तियाँ। भक्तिकाल की मुख्य - धाराएँ।
पद्मावत, रामचरित मानस तथा सूरसागर का परिचय।

इकाई – 3. रीति काल : शब्द, नामकरण, रीति बद्ध, रीति मुक्त, रीति सिद्ध- धाराओं का सामान्य परिचय, रीति काल की प्रमुख विशेषताएँ।

इकाई – 4. केशवदास, देव, बिहारी, घनानंद, आलम तथा भूषण का साहित्यिक परिचय।

अंक-विभाजन- प्रश्न 1. सभी इकाईयों से पाँच संक्षिप्त प्रश्न (05 x 2 = 10 अंक)
प्रश्न 2 और 3 . इकाई 1 और 2 से एक – एक आलोचनात्मक प्रश्न (13 x 2 = 26 अंक)
प्रश्न 4. इकाई 3 और 4 से एक – एक टिप्पणी का प्रश्न (अ) और (ब)(07 x 2 = 14 अंक)

सन्दर्भ पुस्तकें :

1.हिंदी साहित्य का इतिहास- डॉ.नगेन्द्र
2.हिंदी साहित्य का इतिहास-डॉ.लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय
3.हिंदी साहित्य का आदिकाल-हजारीप्रसाद द्विवेदी
4.हिंदी साहित्य का अतीत-१-२ -विश्वनाथप्रसाद मिश्र
5.हिंदी साहित्य का इतिहास-रामचंद्र शुक्ल
6.हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास-डॉ.बच्चन सिह
7.हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास-१-२ -डॉ.गणपतिचंद्र गुप्त
8.आदिकाल की भूमिका-पुरुषोत्तम प्रसाद
9.हिंदी साहित्य की प्रवृत्तियाँ-डॉ.जयकिशन प्रसाद खण्डेलवाल

==========

वीर नर्मद दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय, सुरत

द्वितीय वर्ष बी.ए.

हिंदी भाषा-कौशल

सेमेस्टर - 4

(2018 - 2019, 2019 - 2020, एवम् 2020 – 2021 के शैक्षिक वर्षों के लिए)

प्रश्नपत्र - 4 . हिंदी भाषा-कौशल – (अनिवार्य) Foundation Course-04

(Total Marks – 50; Credits 03)

पाठ्यपुस्तक : 1. कथान्तर - डॉ. परमानंद श्रीवास्तव (राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली)

2. व्याकरण।

अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र:

इकाई -1. कहानी के तत्त्व एवम् प्रकार।
उसने कहा था – चंद्रधर शर्मा 'गुलेरी' , लाल पान की बेगम – फणीश्वर नाथ 'रेणु',
कफन- प्रेमचंद - कहानियों का अध्ययन।

इकाई – 2. वापसी – उषा प्रियम्वदा, आकाशदीप- जयशंकर प्रसाद , पहाड़ – निर्मल वर्मा,
गदल – रांगेय राघव - कहानियों का अध्ययन।

इकाई – 3 उपसर्ग, प्रत्यय, विशेषण तथा कालों का सामान्य परिचय।

इकाई – 4 भूल-सुधार ।

अंक-विभाजन –

प्रश्न 1. पठित कहानियों से पाँच संक्षिप्त प्रश्न (05 x 2 = 10 अंक)

प्रश्न 2 और 3. इकाई 1 और 2 से एक – एक आलोचनात्मक प्रश्न (13 x 2 = 26 अंक)

प्रश्न 4. इकाई 3 से एक टिप्पणी का प्रश्न (अ) और
इकाई 4 से (ब) भूल सुधार (दस विकल्प से सात) (07 x 2 = 14 अंक)

संदर्भ - पुस्तकें :

1. हिंदी व्याकरण - डॉ.उमेशचंद्र शुक्ल
2. आधुनिक हिंदी व्याकरण और रचना - डॉ.वासुदेव नंदन प्रसाद
3. अच्छी हिंदी - रामचंद्र वर्मा
4. प्रयोग और प्रयोग - वी.रा.जगन्नाथन
5. कहानीःस्वरूप और संवेदना-राजेन्द्र यादव
6. हिंदी कहानीः अंतरंग पहचान-डॉ.रामदरश मिश्र

==========

वीर नर्मद दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय, सुरत

द्वितीय वर्ष बी.ए.

हिंदी

सेमेस्टर – 4

(2018 - 2019, 2019 - 2020, एवम् 2020 – 2021 के शैक्षिक वर्षों के लिए)

प्रश्नपत्र – 8. A. हिंदी काव्य – (मुख्य और गौण) (Core Co. 08 - Elective Co. - 08)

(Total Marks – 50; Credits 03)

पाठ्यपुस्तक : भस्मांकुर – नागार्जुन (राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली)

अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र :

इकाई -1. नागार्जुन का व्यक्तित्व एवम् कृतित्व, खण्डकाव्य : परिभाषा एवम् लक्षण, 'भस्मांकुर' की कथावस्तु।

इकाई – 2. 'भस्मांकुर' के पात्र : कामदेव एवम् रति का चरित्र चित्रण , 'भस्मांकुर' में वर्णित पौराणिक प्रसंग,'भस्मांकुर' में मौलिकता एवं आधुनिकता ।

इकाई – 3. 'भस्मांकुर' के संवाद, 'भस्मांकुर' में देश,काल का चित्रण, 'भस्मांकुर' शीर्षक की सार्थकता।

इकाई – 4. 'भस्मांकुर' काव्य का उद्देश्य, 'भस्मांकुर' का भाव-पक्ष और कला-पक्ष,'भस्मांकुर' में वर्णित रस।

अंक-विभाजन : प्रश्न 1. पठित पुस्तक से पाँच संक्षिप्त प्रश्न (05 x 2 = 10 अंक)

प्रश्न 2 और 3 इकाई 1 और 2 से एक – एक आलोचनात्मक प्रश्न (13 x 2 = 26 अंक)

प्रश्न 4 इकाई 3 और 4 से एक – एक टिप्पणी का प्रश्न (अ) और (ब) (07 x 2 = 14 अंक)

सन्दर्भ-पुस्तकें :

1. हिंदी के श्रेष्ठ काव्यों का मूल्यांकन - संपा. डॉ. यश गुलाटी
2. हिंदी के खंडकाव्यों में युग बोध – डॉ. राज भारद्वाज
3. हिंदी साहित्य में रूपक कथा – काव्य: उद्भव और विकास – डॉ. नूरजहाँ बेगम
4. हिंदी के स्वातंत्र्योत्तर मिथकीय खंडकाव्य– डॉ. कविता शर्मा (पार्श्व पब्लिकेशन,अहमदाबाद)
5. नव्य प्रबंध काव्यों में आधुनिक बोध – उर्वशी शर्मा
6. नयी कविता की प्रबंध – चेतना – डॉ. महावीरसिंह चौहान
7. आधुनिक प्रबंधकाव्य : संवेदना के धरातल – संपा. डॉ. विनोद गोदरे
8. नई कविता के रूप – रेनू दीक्षित

==========

अथवा

प्रश्नपत्र – 8. B. हिंदी काव्य : (मुख्य और गौण)

(Core Co. 08 - Elective Co.- 08) (Total Marks – 50; Credits o3)

पाठ्य-पुस्तक : परिताप के पाँच क्षण - डॉ. किशोर काबरा (सरस्वती प्रकाशन, कानपुर)

अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र :

इकाई -1. डॉ. किशोर काबरा का व्यक्तित्व एवम् कृतित्व, खंडकाव्य की परिभाषा एवम् लक्षण, 'परिताप के पाँच क्षण' की कथावस्तु ।

इकाई – 2. 'परिताप के पाँच क्षण' के पात्र : अम्बा, भीष्म, अर्जुन का चरित्र – चित्रण ।

'परिताप के पाँच क्षण' में मनोवैज्ञानिकता ।

इकाई – 3. 'परिताप के पाँच क्षण' के गौण पात्र, 'परिताप के पाँच क्षण' में संवाद – योजना,

'परिताप के पाँच क्षण' में देश,काल का चित्रण,

'परिताप के पाँच क्षण' में वर्णित अम्बा की किशोरावस्था

इकाई - 4. 'परिताप के पाँच क्षण' काव्य का उद्देश्य, 'परिताप के पाँच क्षण' की भाषा-शैली,

'परिताप के पाँच क्षण' : शीर्षक की सार्थकता, 'परिताप के पाँच क्षण' में परशुराम-प्रसंग।

अंक-विभाजन : प्रश्न 1. पठित पुस्तक से पाँच संक्षिप्त प्रश्न (05 x 2 = 10 अंक)

प्रश्न 2 और 3 इकाई 1 और 2 से एक – एक आलोचनात्मक प्रश्न (13 x 2 = 26 अंक)

प्रश्न 4. इकाई 3 और 4 से एक – एक टिप्पणी का प्रश्न (अ) और (ब) (07 x 2 = 14 अंक)

सन्दर्भ – पुस्तकें :

1. हिंदी के खण्ड काव्यों में युगबोध – डॉ. राज भारद्वाज
2. नव्य प्रबंध काव्यों में आधुनिक बोध – उर्वशी शर्मा
3. नई कविता की प्रबंध चेतना – डॉ. महावीर सिंह चौहान
4. आधुनिक प्रबंध - काव्य संवेदना के धरातल – संपा. डॉ. विनोद गोदरे
5. हिंदी के श्रेष्ठ काव्यों का मूल्यांकन
6. स्वातंत्र्योत्तर हिंदी साहित्य – डॉ. बेचन
7. ताप्ती लोक - डॉ. किशोर काबरा विशेषांक
8. परिताप के पाँच क्षण एक अनुशीलन-डॉ.बिमलेश तेवतिया

==========

प्रश्नपत्र – 9. A. हिंदी नाटक – (मुख्य-गौण)

(Core Co. 09 - Elective Co. - 09) (Total Marks – 50; Credits 03)

पाठ्यपुस्तक : जनमेजय का नाग-यज्ञ – जयशंकर प्रसाद (राजपाल एन्ड सन्स, नई दिल्ली)

अध्ययन के निर्धारित क्षेत्र :

इकाई – 1. जयशंकर प्रसाद का व्यक्तित्व और कृतित्व

'जनमेजय का नाग-यज्ञ' नाटक का कथानक

'जनमेजय का नाग-यज्ञ' में नाटककार की कल्पना

'जनमेजय का नाग-यज्ञ' में चित्रित समस्या ।

इकाई – 2. 'जनमेजय का नाग-यज्ञ' के मुख्य एवम् गौण पात्रों की चारित्रिक विशेषताएँ ।

इकाई - 3 . 'जनमेजय का नाग-यज्ञ' के संवाद, 'जनमेजय का नाग-यज्ञ' नाटक में सामाजिकता, 'जनमेजय का नाग-यज्ञ' की भाषा शैली, 'जनमेजय का नाग-यज्ञ' नाटक में देशकाल और वातावरण ।

इकाई – 4 'जनमेजय का नाग-यज्ञ' का उद्देश्य, 'जनमेजय का नाग-यज्ञ' के शीर्षक की सार्थकता, 'जनमेजय का नाग-यज्ञ' नाटक में अभिनेयता |

अंक-विभाजन : प्रश्न 1. पठित पुस्तक से पाँच संक्षिप्त प्रश्न (05 x 2 = 10 अंक)

प्रश्न 2 और 3 . इकाई 1 और 2 से एक – एक आलोचनात्मक प्रश्न (13 x 2 = 26 अंक)

प्रश्न 4. इकाई 3 और 4 से एक – एक टिप्पणी का प्रश्न (अ) और (ब) (07 x 2 = 14 अंक)

संदर्भ-पुस्तकें-

1. हिंदी नाटक आज तक डॉ. वीणा गौतम
2. हिंदी नाटक-डॉ.बच्चनसिंह (लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)
3. हिंदी नाटकः उद्भव और विकास-डॉ.दशरथ ओझा (राजपाल एण्ड संस, दिल्ली)
4. जयशंकर प्रसाद – आचार्य नन्द दुलारे वाजपेयी
5. हिंदी का गद्य साहित्य डॉ. रामचंद्र तिवारी
6. हिंदी का गद्य – साहित्य – डॉ. प्रसाद
7. छायावाद – डॉ. नामवर सिंह (राजकमल प्रकाशन प्रा. लि., नई दिल्ली)

==========

अथवा

प्रश्नपत्र – 9. B. हिंदी एकांकी (मुख्य-गौण)

(Core Course 09 - Elective Course -09) (Total Marks – 50; Credits 03)

पाठ्यपुस्तक : एकांकी कुंज – संपा. डॉ. उमेशचन्द्र मिश्र 'शिव' (जयभारती प्रकाशक, इलाहबाद)

अध्ययन के निर्धारित क्षेत्र :

इकाई – 1. हिंदी एकांकी का उद्भव और विकास।

माँ – विष्णु प्रभाकर एवम् दो कलाकार – भगवती चरण वर्मा – एकांकियों का अध्ययन।

इकाई – 2. घोंसले – जगदीशचंद्र माथुर, सूखी डाली – उपेन्द्रनाथ 'अश्क',

राजरानी सीता – रामकुमार वर्मा -- एकांकियों का अध्ययन।

इकाई – 3. तांबे के कीड़े – भुवनेश्वर प्रसाद , शिवाजी का सच्चा स्वरूप – श्री सेठ गोविन्द दास – एकांकियों का अध्ययन।

इकाई – 4. एकांकी की परिभाषा और तत्त्व, एकांकी और नाटक में अंतर, एकांकी में संवाद का महत्व।

अंक-विभाजन : प्रश्न 1. पठित पुस्तक से पाँच संक्षिप्त प्रश्न (05 x 2 = 10 अंक)

प्रश्न 2 और 3 . इकाई 1 और 2 से एक – एक आलोचनात्मक प्रश्न (13 x 2 = 26 अंक)

प्रश्न 4. इकाई 3 और 4 से एक – एक टिप्पणी का प्रश्न (अ) और (ब)(07 x 2 = 14 अंक)

सन्दर्भ पुस्तकें :

1. हिंदी एकांकी – डॉ.सिद्धनाथ कुमार, राजकमल प्रकाशन , नई दिल्ली
2. एकांकी और एकांकीकार – रामचरण महेन्द्र
3. साहित्य, मनोविज्ञान और हिंदी एकांकी – गुरुदयाल बजाज
4. हिंदी एकांकी शिल्प-विधि का विकास-डॉ. सिद्ध नाथ कुमार
5. ऐतिहासिक पृष्ठभूमि के एकांकी-सं.गिरिराज शरण
6. एकांकी-कला-संपा.डॉ.रामकुमार वर्मा

==========

प्रश्नपत्र – 10 . हिंदी साहित्य का इतिहास (मुख्य) (Core Course 10)

(Total Marks – 50; Credits 03)

अध्ययन के निर्धारित क्षेत्र :

इकाई – 1. भारतेन्दु युगीन कविता की प्रमुख विशेषताएँ, द्विवेदी युगीन कविता की प्रमुख विशेषताएँ , छायावादी कविता की प्रमुख विशेषताएँ , प्रगतिवादी कविता की प्रमुख विशेषताएँ ।

इकाई - 2 . प्रयोगवादी कविता की प्रमुख विशेषताएँ , उपन्यास का उद्भव और विकास एवं प्रकार , नाटक का उद्भव और विकास एवं प्रकार, कहानी का उद्भव और विकास एवं प्रकार, समालोचना का उद्भव और विकास एवं प्रकार ।

इकाई – 3. रामधारी सिंह 'दिनकर', मैथिलीशरण गुप्त, हरिवंश राय 'बच्चन', शिवमंगल सिंह'सुमन' तथा 'अज्ञेय' का साहित्यिक परिचय।

इकाई – 4 . जयशंकर प्रसाद, सुमित्रानंदन पन्त, महादेवी वर्मा और सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' का साहित्यिक परिचय।

अंक-विभाजन :

प्रश्न 1. सभी इकाईयों से पाँच संक्षिप्त प्रश्न (05 x 2 = 10 अंक)

प्रश्न 2 और 3 . इकाई 1 और 2 से एक – एक आलोचनात्मक प्रश्न (13 x 2 = 26 अंक)

प्रश्न 4. इकाई 3 और 4 से एक – एक टिप्पणी का प्रश्न (अ) और (ब) (07 x 2 = 14 अंक)

सन्दर्भ पुस्तकें :

1.हिंदी साहित्य का इतिहास- डॉ.नगेन्द्र
2.हिंदी साहित्य का इतिहास-डॉ.लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय
3.हिंदी साहित्य का आदिकाल-हजारीप्रसाद द्विवेदी
4.हिंदी साहित्य का अतीत-१-२ -विश्वनाथप्रसाद मिश्र
5.हिंदी साहित्य का इतिहास-रामचंद्र शुक्ल
6.हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास-डॉ.बच्चन सिह
7.हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास-१-२ -डॉ.गणपतिचंद्र गुप्त
8.आदिकाल की भूमिका-पुरुषोत्तम प्रसाद
9.हिंदी साहित्य की प्रवृत्तियाँ-डॉ.जयकिशन प्रसाद खण्डेलवाल

==========